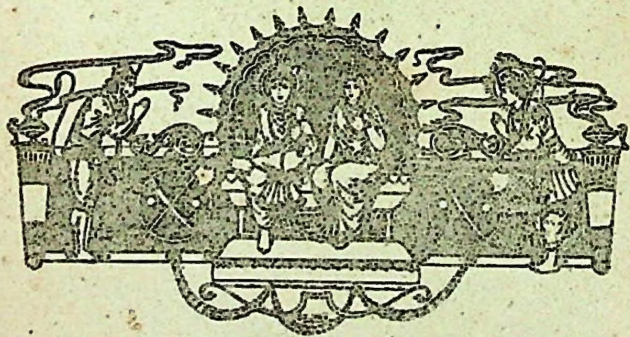


श्रीसीतारामभजन



मूल्य पैंतीस पैसे





श्रीसीतारामभजन

माता रामो भर्पिता रामचन्द्रः स्वामी रामो मत्सखा रामचन्द्रः ।
सर्वस्वं मे रामचन्द्रो दयालुर्नान्यं जाने नैव जाने न जाने ॥

प्रकाशक—गोविन्दभवन—कार्यालय, गीताप्रेस, गोरखपुर

संवत्	१९८९	से	२०३८	तक	४६,१५,०००
संवत्	२०३९	चौरासीवाँ	संस्करण		१,००,०००
संवत्	२०४०	पचासीवाँ	संस्करण		२,००,०००
					<hr/>
कुल					४९,१५,०००
					उनचास लाख पंद्रह हजार

मूल्य पैंतीस पैसे

मुद्रक—गीताप्रेस, गोरखपुर

ॐ

श्रीसीतारामचन्द्राभ्यां नमः

सकल कामना हीन जे राम भगति रस लीन ।

नाम सुप्रेम पियूष हृद तिन्हहुँ किए मन मीज ॥ १ ॥

अस प्रभु दीनबंधु हरि कारन रहित दयाल ।

तुलसिदास सठ तेहि भजु छाड़ि कपट जंजाल ॥ २ ॥

श्रीरघुवीर प्रताप ते सिंधु तरे पापान ।

ते मतिमंद जे राम तजि भजहिं जाइ प्रभु आन ॥ ३ ॥

रामचंद्र के भजन विनु जो चह पद निर्वान ।
 न्यानवंत अपि सो नर पसु विनु पूँछ विषान ॥ ४ ॥
 बारि मथें घृत होइ वरु सिक्ता ते वरु तेल ।
 विनु हरिभजन न भव तरिअ यह सिद्धांत अपेल ॥ ५ ॥
 राम नाम मनिदीप धरु जीह देहरीं द्वार ।
 तुलसी भीतर बाहेरहुँ जों चाहसि उजिआर ॥ ६ ॥
 जातिहीन अघ जन्म महि युक्त कीन्हि असि नारि ।
 महामंद मन सुख चहसि ऐसे प्रभुहि विसारि ॥ ७ ॥

काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ ।

सब परिहरि रघुवीरहि भजहु भजहिं जेहि संत ॥ ८ ॥

तब लगि कुसल न जीव कहूँ सपनेहुँ मन विश्राम ।

जब लगि भजत न राम कहूँ सोक धाम तजि काम ॥ ९ ॥

निसिचर अधम मलाकर ताहि दीन्ह निज धाम ।

गिरिजा ते नर मंदमति जे न भजहिं श्रीराम ॥ १० ॥

यह कलिकाल मलायतन मन करि देखु विचार ।

श्रीरघुनाथ नाम तजि नाहिन आन आधार ॥ ११ ॥

सिव विरंचि कहूँ मोहइ को है वपुरा आन ।

अस जियँ जानि भजहिं मुनि माया पति भगवान ॥१२॥

पुरुष नपुंसक नारि वा जीव चराचर कोइ ।

सर्व भाव भज कपट तजि मोहि परम प्रिय सोइ ॥१३॥

बिनु विस्वास भगति नहिं तेहिं बिनु द्रवहिं नरामु ।

राम कृपा बिनु सपनेहुँ जीव न लह विश्रामु ॥१४॥

कृतजुग त्रेताँ द्वापर पूजा मख अरु जौग ।

जो गति होइ सो कलि हरि नाम ते पावहिं लोग ॥१५॥

कलिजुग सम जुग आन नहिं जों नर कर विखास ।

गाइ राम गुन गन विमल भव तर विनहिं प्रयास ॥१६॥

हरि माया कृत दोष गुन विनु हरि भजन न जाहिं ।

भजिअ राम तजि काम सब अस विचारि मन माहिं ॥१७॥

सेवक सेव्य भाव विनु भव न तरिअ उरगारि ।

भजहु राम पद पंकज अस सिद्धांत विचारि ॥१८॥

जो चेतन कहैं जड़ कहइ जड़हिं करइ चैतन्य ।

अस समर्थ रघुनायकहि भजहिं जीव ते धन्य ॥१९॥

मसकहि करइ विरंचि प्रभु अजहिं नसक ते हीन ।
 अस विचारि तजि संसय रामहिं भजहिं प्रवीन ॥२०॥

चौपाई

महामंत्र	जोइ	जपत	महेछ ।
कासीं	मुकुति	हेतु	उपदेछ ॥ १ ॥
महिमा	जासु	जान	गनराऊ ।
प्रथम	पूजियत	नाम	प्रभाऊ ॥ २ ॥
जान	आदिकनि	नाम	प्रताप ।

(९)

भयउ सुद्र करि उलटा जापू ॥ ३ ॥

सुक सनकादि सिद्ध मुनि जोगी ।

नाम प्रसाद प्रजासुख भोगी ॥ ४ ॥

नाम जपत प्रभु कीन्ह प्रसाद ।

भगत शिरोमनि मे प्रह्लाद ॥ ५ ॥

ध्रुवँ सगलानि जपेउ हरि नाऊँ ।

पायउ अचल अनूपम ठाऊँ ॥ ६ ॥

सुमिरि पवनसुत पावन नाम ।

अपने बस करि राखे राम ॥ ७ ॥

अपनु अजामिलु गजु गनिकाऊ ।

भए मुकुत हरिनाम प्रभाऊ ॥ ८ ॥

भायँ कुभायँ अनख आलसहूँ ।

नाम जपत मंगल दिसि दसहूँ ॥ ९ ॥

कहाँ कहाँ लगि नाम बढाई ।

रामु न सकहि नाम गुन गाई ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीतारामं	सीताराम
साँताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीतारामं	सीताराम
सांताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीतारामं	सीताराम
साँताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]